पटना में मेट्रो-मोनो रेल के लिए शुरू होगा सर्वे

पटना | आलोक चंद्र

अब राजधानी पटना में मेट्रो और मोनो रेल दोनों को साथ-साथ दौड़ाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हरी झंडी मिलने के बाद नगर विकास विभाग मेट्रो और मोनो रेल को पटरी पर लाने की कसरत में जुट गया है।

आंतरिक ट्रैफिक को व्यवस्थित करने और सड़कों पर लगातार बढ़ते बोझ को कम करने के लिए मेट्रो और मोनो रेल सेवा शुरू करने की योजना है। दोनों ही परियोजनाओं का शीघ्र ही तकनीकी व आर्थिक सर्वे शुरू होगा। विभाग इसके लिए आरएफपी लाएगा। इसपर तीन से चार करोड़ रुपए खर्च होंगे। स्काई बस की संभावनाओं पर भी राज्य सरकार विचार कर रही थी, लेकिन कई जगहों पर दुर्घटना को देखते हुए इसे फिलहाल टाल दिया गया है। सर्वे के बाद राजधानी के विभिन्न रूटों पर मेट्रो और मोनो की संभावनाओं का पता चलेगा। इस सर्वे में इसका भी ध्यान होगा कि पटना के लिए मेट्रो और मोनो की अलग-अलग कितनी संभावनाएं हैं। मेट्रो पर तो बात काफी आगे बढ़ी थी, लेकिन मोनो रेल की संभावनाओं पर अधिक मंथन अबतक नहीं हो पाया है। लिहाजा मुख्यमंत्री की हरी झंडी के बाद राजधानीवासियों के लिए नई उम्मीद जगी है। पिछले दिनों योजना आयोग के उपाध्यक्ष के परामर्शी गजेन्द्र हल्दिया ने नगर विकास व आवास विभाग के अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक में मेट्रो के विभिन्न पहलुओं पर विमर्श किया था। साथ ही संभावित रूटों का मुआयना भी किया। इसके बाद विभागीय मंत्री डॉ. प्रेम कुमार के समक्ष परियोजना की प्रस्तुति हुई थी। मुख्यमंत्री के समक्ष भी पावर प्रजेंटेनशन किया गया।

देखें पेज-08 भी

सीएम की हरी झंडी

कैसे होगा निर्माण : पीपीपी के तहत होगा। मेट्रो पर लगभग 8000 करोड़ रुपए खर्च होंगे जबकि मोनो पर 1000 करोड़ रुपए। मेट्रो का ट्रैक 40 से 50 किलोमीटर का और मोनो का 25 से 35 किलोमीटर तक लंबा होगा।

हम मेट्रो और मोनो दोनों को लेकर बेहद गंभीर हैं। मुख्यमंत्री की सहमति के बाद अब विभाग नए सिरे से तकनीकी व आर्थिक सर्वे की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। हम राजधानी पटना को बेहतर यातायात सिस्टम देने के लिए संकल्पित हैं। **प्रेम कुमार**, नगर विकास व आवास मंत्री